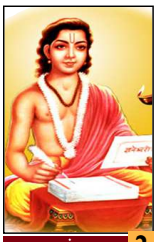

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 03 | अंक: 5 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शुक्रवार 7 जून, 2024 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

एनडीए की हैट्रिक, इंडिया की शाइनिंग, मोदी बनाएंगे सरकार

इंडिया गठबंधन की मोर्चाबंदी मोदी की गारंटी पर पड़ी भारी

नई दिल्ली (संस्कार सृजन)। आखिरकार 4 जून को देश का सबसे बड़ा जनादेश आ गया। देश के 64 करोड़ वोटर्स ने लगातार तीसरी बार एनडीए की झोली में बहुमत डाला,लेकिन इंडिया गठबंधन में भी नई जान फूंक दी।

भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने से चूक गई। कांग्रेस के राहुल गांधी और सपा के अखिलेश यादव की जुगलबंदी और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की मोर्चाबंदी मोदी की गारंटी पर भारी पड़ गई। 543 सीटों वाली लोकसभा में भाजपा 240 सीटों पर ही अटक गई, जबकि बहुमत के लिए भाजपा को 272 सीटें चाहिए थी। इंडिया गठबंधन को 234 सीट मिली, जिसमें कांग्रेस को कुल 99 सीटें मिली। पीएम मोदी वाराणसी में 1.52 लाख वोटो से जीते। वहीं राहुल गांधी वायनाड में 3.64 लाख और रायबरेली में 3.9 लाख वोटों से जीते। मोदी लगातार तीसरी बार शपथ लेकर 62 साल बाद पंडित नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करेंगे। इसी बीच 16 सीटें जीतने वाले चंद्रबाबू नायडू और 12 सीटें लाने वाले नीतीश कुमार किंग मेकर की भूमिका में आ गए हैं । पीएम मोदी ने नीतीश और नायडू को फोन करके बधाई दी। पीएम नरेंद्र मोदी ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर मतदाताओं व कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा मैं देश भर के सभी दलों और सभी उम्मीदवारों का अभिनंदन करता हूं।

कांग्रेस के राहुल गांधी ने कहा कि आपने कमाल कर दिया,देश की राजनीति को समझ कर संविधान को बचाया। इंडिया का साथ देने के लिए सभी मतदाताओं का धन्यवाद !

क्या बदल जाएगा राजस्थान का मुख्यमंत्री

6 माह पहले सीएम की कुर्सी संभालने वाले भजन लाल शर्मा को इन नतीजे से करारा झटका लगा है। क्या केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री बदलेगा ? ऐसा नहीं लगता ! क्योंकि केंद्रीय नेतृत्व ने ही सीएम के रूप में भजन लाल शर्मा का चुनाव किया था। पहला तो यह है कि केंद्रीय नेतृत्व अपना फैसला नहीं बदलेगा,दूसरा चुनाव के कारण भजनलाल सरकार को प्रदेश में काम करने का अधिक मौका भी नहीं मिला है। हां मंत्रिमंडल में फिर बदलाव और विस्तार संभव है, क्योंकि अभी मंत्रिमंडल में 6 पद खाली हैं ।

प्रधानमंत्री मोदी की नैतिक हार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह जनादेश व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री मोदी के लिए बड़ा राजनीतिक नुकसान और उनकी नैतिक हार है।

वहीं लोकसभा चुनाव में बहुत मिलने के अगले दिन एनडीए ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को नेता चुना। पीएम आवास पर हुई बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया हमें गर्व है कि एनडीए ने चुनाव मोदी के नेतृत्व में लड़ा और जीता। सूत्रों के अनुसार जून को मोदी को भाजपा संसदीय दल एनडीए संसदीय दल का नेता चुना जाएगा। इसके बाद राष्ट्रपति के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश होगा। शपथ ग्रहण समारोह 8 जून को होने की संभावना है ।

राजस्थान में कांग्रेस को मिली 11 सीटें, 14 पर सिमटी भाजपा

राजस्थान मे लोकसभा चुनाव में प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को करारा झटका दिया है। करीब 6 माह पूर्व विधानसभा चुनाव जीतकर सरकार बनाने वाली भाजपा इस बार लोकसभा चुनाव की 25 सीटें जीतने की हैट्रिक नहीं बना पाई। जातियों के गणित और प्रत्याशियों के चयन में उलझी भाजपा को एक ही झटके में 11 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। कांग्रेस ने साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाते हुए गठबंधन कर अपनी कीमती सीटें छोड़ी, लेकिन वह अपनी उस रणनीति में सफल रही और तीनों सीटें नागौर, सीकर में बांसवाड़ा को उसके सहयोगी दल जीतने में सफल रहे। भाजपा को महज 14, कांग्रेस को 8, बीएपी,आरएलपी और माकपा को एक-एक सीट पर जीत मिली। अशोक गहलोत अपने बेटे को सीट बदले जाने के बावजूद नहीं जीता पाए।

नीट परीक्षा परिणाम में समित सैनी की फर्स्ट रैंक, न्यू शाईन स्कूल ने किया सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। नीट का परीक्षा परिणाम चौमूं तहसील के लिए बहुत ही बड़ी खुशखबरी लाया है । चौमूं तहसील के महार कला ग्राम निवासी समित कुमार सैनी पुत्र महेंद्र सैनी ने 720 में से 720 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया में फर्स्ट रैंक प्राप्त की है। परिवार वालों ने पूरे ग्राम में डीजे की धुनों पर नाचते गाते रैली निकालकर खुशी का इजहार किया । जमकर आतिशबाजी भी की गयी। जानकारी के लिए आपको बता दें कि समित सैनी चौमूं शहर के रींगस रोड इंदौरा कॉलोनी स्थित न्यू शाईन इंटरनेशनल स्कूल का स्टूडेंट है। समित सैनी के घर पर खुशी का माहौल है। लोग घर पर बधाईयां देने के लिए पहुंच रहे हैं । साथ ही मोबाइल पर भी बधाईयां देने वालों का ताँता लगा हुआ है। वहीं न्यू शाईन इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर रामकरण इन्दोरा, सचिव राहुल सैनी और स्टाफ, सत्यनारायण गंगवाल, अशोक मीणा, रतन यादव,छीतरमल सैनी ने समित का माला,साफा और मिठाई खिलाकर सम्मान किया।

इस दौरान बोदुराम मालेरिया, गोवर्धन लाल, मदनलाल मालेरिया, बाबूलाल मालेरिया, ओम प्रकाश मालेरिया ,मनोज कुमार, महेंद्र मालेरिया ,प्रवीण मालेरिया, सुरेंद्र मालेरिया, किशोर मालेरिया, प्रकाश मालेरिया, सोनी देवी, प्रेम देवी, मंजू सैनी, सावित्री सैनी, मुस्कान सैनी, आशा सैनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

शॉर्ट फिल्म अनमोल जीवन की दर्शक कर रहे सराहना

जयपुर (संस्कार सृजन)। संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित अनमोल जीवन शॉर्ट फिल्म शनिवार 1 जून 2024 को इंडिया (India) यूट्यूब चैनल पर प्रातः 11 बजे रिलीज़ हुई थी। जिसे अब तक हजारों लोग देख चुके हैं। दर्शक खुले मन से फिल्म की सराहना कर रहे हैं। एक दर्शक ने कमेंट में लिखा कि अब समझ में आया कि जीवन अनमोल है। शॉर्ट फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि निराशा और गुस्से के भाव के कारण आज का युवा आत्महत्या कर लेता है, जो सरासर गलत है। युवाओं को धैर्य से काम लेना चाहिए व समस्याओं का डटकर सामना करना चाहिए, क्योंकि संघर्ष ही जीवन है। हमारी फिल्म में आत्महत्या नहीं करने का संदेश समाज को दिया गया है। शॉर्ट फिल्म के मुख्य कलाकार पंडित रविंद्र आचार्य, मोहन सैनी, संदीप शर्मा, राजेश सेन,मनीषा देवंदा,हंसा और एडिटर रजनीश सैनी हैं। आप भी चैनल लिंक पर जाकर फिल्म को देख सकते है- https://www.youtube.com/channel/UCNSgLoMIYBkNfFotOo8Et_g

विराज फाउंडेशन ने किया पौधारोपण, 51 पौधे किए वितरित

जयपुर (संस्कार सृजन)। विराज फाउंडेशन के तत्वाधान में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष पर श्याम मंदिर, श्याम कॉलोनी, रेलवे स्टेशन रोड, चौमूं में वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी के नेतृत्व में फलदार, छायादार पौधे लगाए गए। साथ ही 51 पौधे वितरित भी किए गए। इस दौरान महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुनीता शर्मा ने बताया कि इस भीषण गर्मी के विकराल रूप को देखकर वृक्षारोपण करना चाहिए क्योंकि आज के परिवेश में जिस प्रकार पेड़ों की कटाई की जा रही है तथा लाखों वृक्षो के दोहन से प्रकृति ने अपना विकराल रूप धारण कर रखा है। अतिवृष्टि, अनावृष्टि एवं 50 डिग्री धूप का तापमान बढ़ रहा है। एक शुभ संकेत नहीं है। इसलिए हर व्यक्ति को कम से कम पांच वृक्ष लगाने चाहिए, जिससे प्रकृति के दोहन को रोका जा सके। इस दौरान पदाधिकारीयो में चंद्र प्रकाश शर्मा, एडवोकेट हेमेंद्र शर्मा, सत्यप्रकाश पारीक, ओमप्रकाश रीडर, कैप्टन श्रीराम शर्मा, पं रामस्वरूप शर्मा, नारायण लाल शर्मा, मुकेश दीक्षित, सीताराम कुमावत, वैद्य सांवरमल शर्मा, रामलाल शेरावत, बनवारी लाल भातरा, पूर्व पार्षद धर्मेंद्र बंजारा आदि लोग उपस्थित रहे ।

आर्किटेक्ट नेहा मोदी को मिला अवार्ड

जयपुर (संस्कार सृजन)। जयपुर निवासी आर्किटेक्ट नेहा मोदी को राजधानी दिल्ली के आईटीसी होटल में आयोजित नेशनल बिजनेस अवार्ड 2024 शो में सम्मानित होने का सौभाग्य मिला है। आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर नेहा मोदी को नेशनल बिजनेस अवार्ड 2024 में बेस्ट आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर इन जयपुर राजस्थान का अवार्ड मिला है। नेहा मोदी जयपुर के गांधी पथ पर क्राईयो डिजाइन्स की डायरेक्टर है।

संपादकीय

भ्रामक सूचना डीपफेक और लोकतंत्र

विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि गलत सूचना दुनिया भर के देशों के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत, उन देशों में से एक के रूप में पहचाना गया है जहां गलत और भ्रामक सूचना के सबसे बड़े खतरे हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत अपने राष्ट्रीय चुनावों का समापन कर रहा है और दुनिया भर के 50 से अधिक देशों में इस साल चुनाव हो रहे हैं। लोकतंत्रों के लिए दुनिया भर में यह कितना महत्वपूर्ण समय और कितनी गंभीर परीक्षा की घड़ी है! भारत के चुनावों से यह जानने के लिए बहुत कुछ है कि विभिन्न प्रारूपों, भाषाओं और क्षेत्रों में ऑनलाइन गलत सूचना के फेक्टर कैसे फैलते हैं। भारत में मीडिया और सूचना का परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है क्योंकि अधिक से अधिक लोग इंटरनेट तक पहुंच प्राप्त कर रहे हैं, ज्यादातर अपने फोन के माध्यम से। आज 87 करोड़ यानी आधे से अधिक भारतीय एक्टिव इंटरनेट यूजर हैं। यह एक नई चुनौती पैदा कर रहा है क्योंकि समाचार के विश्वसनीय स्रोतों को अक्सर ऑनलाइन असत्यापित जानकारी से सराबोर कर दिया जाता है। हम दुनिया भर के चुनावों से सीख रहे हैं कि गलत सूचना में मतदाताओं को धोखा देने और चुनावी प्रक्रियाओं में उनके विश्वास को कमजोर करने की क्षमता होती है। लोग मानव इतिहास में किसी भी समय की तुलना में सूचना के लिए अधिक विकल्पों के साथ बड़े हो रहे हैं। इससे एक बड़ी चुनौती पैदा होती है क्योंकि लोग सच्ची और झूठी सूचना के बीच अंतर करने के लिए संघर्ष करते हैं। शोध बताता है कि जितना अधिक व्यक्ति झूठ के संपर्क में आते हैं, उनका विश्वास करने की संभावना उतनी ही अधिक होती है, भले ही जानकारी उनकी मौजूदा मान्यताओं का खंडन करती हो। ऐसे में चुनाव विवादों का केंद्र बन जाते हैं और लोकतंत्र को इसकी सबसे कठिन परीक्षा का सामना करना पड़ता है। मतदाताओं के फैसलों को तथ्यों पर टिकाए रखने के मूल्यों को बचाए रखने की प्रतिबद्धता ने शक्ति - इंडिया इलेक्शन फैक्ट चेकिंग कलेक्टिव के निर्माण को जन्म दिया, जिसे गूगल समाचार की पहल से समर्थन प्राप्त है। यह पहल डेटालीड्स की है, जिसने गलत सूचना से मुकाबला करने वाले गठबंधन (एमसीए), बूम, द क्विंट, विश्वास न्यूज, फैक्टली, न्यूजचेकर, और अन्य प्रमुख फैक्ट चेक संगठनों और इंडिया टुडे और प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) जैसे समाचार प्रकाशकों के साथ साझेदारी की है। भारत के फैक्ट चेकरों और पब्लिशरों का एक गठबंधन जो 2024 के भारत के चुनावों की तैयारी में एक साथ आए थे। ताकि चुनाव से संबंधित गलत सूचना और डीपफेक का जल्दी पता लगाया जा सके और क्षेत्रीय भाषाओं में फैक्ट चेकिंग का प्रसार किया जा सके। यह भारत में फैक्ट चेकरों और पब्लिशरों के बीच अब तक का सबसे बड़ा सहयोग है जो मिसइन्फॉर्मेशन से लड़ने के लिए किया गया है।

पत्रकार (कविता)

समय रहते उनका भुगतान ससम्मान करें।
जो जनसेवा के लिए हरपल तत्पर रहते हैं।
उनके बारे में कभी किसी ने सोचा ही नहीं,
वे कैसे निज परिवार भरण-पोषण करते हैं।

कभी शासकीय काम किसी का अटकता।
कोई मदद खातिर आगे पुलिस के भटकता।
नियमबद्ध ट्रेफिक पुलिस ने वाहन पकड़ा।
नियम विरुद्ध आँख दिखा जो कोई अकड़ा।
निज पक्ष रखने को सब याद उन्हे करते हैं।

इलाज के लिए मरीज को मदद चाहिए।
विशेष छूट अस्पताल के बिल में चाहिए।
छात्र को विद्यालय में दाखिला नहीं मिले।
अधूरी व्यवस्थाएं जो विद्यालय की खले।
बिजली गुल होने पर फोन उनको करते हैं।

घर का सदस्य बिन बताए निकल जाए।
उपचार असंतुष्टि-धोखाधड़ी कहीं पाए।
उधारी लौटाने से कोई इंकार कर जाए।
कोई जमीनी कब्जा होशियारी से जमाए।
बिल छूट में पत्रकार ही सहायक बनते हैं।

-महेन्द्र सिंह कटारिया,नीमकाथाना, राजस्थान

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✳ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

गरुड़ पुराण में बताई गई ये आदतें, बन सकती हैं मुसीबतों का कारण

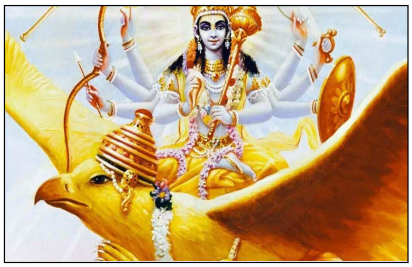

गरुड़ पुराण के मुख्य देवता भगवान विष्णु हैं। गरुड़ पुराण में वर्णित है व्यक्ति के जीवन के लिए कोई और नहीं, बल्कि वह स्वयं जिम्मेदार होता है। ऐसे में अगर आप गरुण पुराण (Garuda Purana in Hindi) में गलत मानी गई इन आदतों को छोड़ देते हैं, तो आपको लक्ष्मी जी की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। जल्दी उठने की आदत को हिंदू शास्त्रों में बहुत अच्छा बताया गया है। इस आदत को स्वास्थ्य पर भी लाभ देखने को मिलता है। वहीं, इसके विपरीत गरुड़ पुराण देर तक सोने की आदत को बहुत ही नुकसानदायक माना गया है। क्योंकि ऐसे लोगों पर भी धन की देवी लक्ष्मी की कृपा नहीं बरसती और उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ये गलती पड़ सकती है भारी

कई लोगों की रात में रसोई घर में गंदे बर्तन छोड़ देते हैं। लेकिन गरुड़ पुराण में इस आदत को बिलकुल भी सही नहीं बताया गया। ऐसा करने से व्यक्ति को मां लक्ष्मी की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। ऐसे में यह आदत आपकी आर्थिक तंगी का कारण भी बन सकती है। इसलिए इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि रात के समय रसोई में कभी भी झूठे बर्तन छोड़कर न सोएं।

बनी रहेगी सुख-समृद्धि

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि व्यक्ति का साफ-सुथरा रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि मां लक्ष्मी भी उसी स्थान पर वास करती हैं जहां स्वच्छता का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। ऐसे में रोजाना स्नान करने करें और साफ-सुथरे कपड़े पहनें। इसके साथ ही घर की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें, ताकि आपके और आपके परिवार के ऊपर लक्ष्मी जी की दया दृष्टि बनी रहे।

भाग्यशाली लोगों की हथेली पर बना होता है ऐसा निशान, 35 की उम्र के बाद खुलता है किस्मत का दरवाजा और मिलती है खूब दौलत-शोहरत

हथेली पर बनी कुछ रेखाएं ऐसी होती हैं, जो भाग्य की सूचक होती है। हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार हथेली पर इस निशान के होने से व्यक्ति जीवन में बहुत ही तरक्की करता है। 35 साल की उम्र तक पहुंचने पर ऐसे निशान लोगों की किस्मत एकदम ही पलटती है और व्यक्ति को जीवन में दौलत, शोहरत और प्यार मिलता है। आइए, जानते हैं हथेली पर बने किस निशान को भाग्यशाली होने का संकेत माना जाता है।

दुनिया में हर एक चीज का कोई न कोई अर्थ जरूर होता है। जैसे, हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार हाथों की लकीरें भी आपके बारे में बहुत कुछ कहती हैं। हाथों की रेखाएं आपकी किस्मत के बारे में भी बहुत कुछ बताती है। हथेली पर कुछ रेखाएं ऐसी होती हैं, जो सफलता से जुड़ी हुई होती है। इन रेखाओं के आपकी न सिर्फ आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है बल्कि आपकी लव लाइफ में भी काफी बेहतर होती है।

आपको सच्चा जीवनसाथी मिलता है और आमदनी के कई मौके भी मिलते हैं। हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार अगर किसी व्यक्ति के हाथ में वी (V) का निशान होता है, तो आपकी बहुत तरक्की होती है। आइए, जानते हैं हाथों में V लकीर होने के क्या संकेत होते हैं।

हथेली में कहां होता है V का निशान- आपकी हथेली में V का निशान हथेली पर ऊपर की तरफ होता है। जैसा कि फोटो में दिखाया गया है। हथेली पर इस निशान के होने से व्यक्ति को एक निश्चित आयु के बाद सफलता मिलती है। आपकी हथेली में भी अगर यह निशान है, तो आपको समझ जाना चाहिए कि अभी बेशक से आपका काम नहीं बन पा रहा है लेकिन कुछ समय बाद आपको हथेली पर इस निशान का परिणाम देखने को जरूर मिलेगा।

35 साल की उम्र के बाद चमकता है भाग्य का सितारा- हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार तर्जनी और मध्यमा अंगुली के मध्य V का निशान होना शुभ माना जाता है। हथेली पर V के निशान वाले लोगों का भाग्य 35 साल की उम्र के बाद चमकता है। शुरुआत में इन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ती है लेकिन धीरे-धीरे इन जातकों को अपनी मेहनत का फल दोगुना फल मिलना शुरू हो जाता है।

भाग्यशाली होते हैं ऐसे स्त्री-पुरुष- जिन लोगों की हथेली में वी का निशान होता है, वे बहुत ही भाग्यशाली माने जाते हैं। ऐसे लोग न सिर्फ जीवन में खुद तरक्की करते हैं बल्कि इनके जीवनसाथी पर भी इसका असर पड़ता है। वी निशान वाले स्त्री-पुरुषों का वैवाहिक जीवन भी बहुत ही प्यार भरा होता है। जीवनसाथी के साथ इनका अच्छा तालमेल होता है।

कमाते हैं खूब पैसे और जीते हैं आलीशान जिंदगी- हथेली पर वी निशान वाले जातक खूब पैसे कमाते हैं। ऐसे लोगों की नौकरी किसी बड़ी कंपनी में लगती है और वहां भी ऐसे लोग बड़े पदों पर नियुक्त होते हैं। वहीं, कोशिश करने पर ऐसे लोगों की सरकारी नौकरी भी बहुत जल्दी लग जाती है। बिजनेस में खूब तरक्की करने के साथ ऐसे लोग 30-35 साल तक पहुंचते-पहुंचते जीवन में काफी कुछ कमा लेते हैं और आलीशान जीवन जीते हैं।

कठिन से कठिन चुनौतियों से नहीं घबराते- हस्तरेखा विशेषज्ञों के अनुसार जिन लोगों की हथेली में वी का निशान बना होता है। वे लोग कठिन परिस्थितियों का सामना भी डटकर करते हैं। ऐसे लोगों का व्यक्तित्व परेशानियों में निखरकर आता है। चुनौतियों को यह अवसर की तरह लेते हैं और तरक्की करते जाते हैं। ऐसे लोगों का भाग्य 35 साल से उदय होना शुरू होता है और 40 तक पहुंचते-पहुंचते इनकी जिंदगी किसी राजा की तरह हो जाती है।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

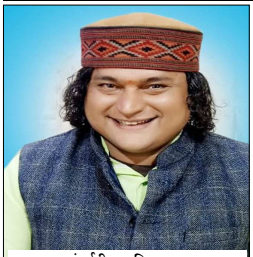

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, लेकिन आत्म संयत रहें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी । आय में वृद्धि होगी, परंतु किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं । नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं।

वृषभ – मानसिक शांति तो रहेगी, फिर भी क्रोध के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे । नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं । संतान को कष्ट रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा । कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मिथुन – कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। संतान सुख में वृद्धि होगी, क्रोध के अतिरेक से बचें। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कर्क – संपत्ति से आय में वृद्धि होगी, माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की संभावना बन रही है । पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

सिंह – मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, लेकिन बातचीत में संयत रहें, क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम रहेंगे, शोध आदि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा ।

कन्या – धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। आय में वृद्धि होगी, वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे, संतान को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। घर परिवार में धार्मिक कार्य होंगे ।

तुला – माता का सानिध्य व सहयोग मिलेगा, बातचीत में संयत रहें। वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा के सुखद परिणाम मिलेंगे। घर-परिवार में धार्मिक संगीत के कार्य होंगे। वाहन सुख में वृद्धि होगी। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं ।

वृश्चिक – भवन सुख का विस्तार होगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। अपनी भावनाओं को वश में रखें, स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा।

धनु – स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है । कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा। नौकरी व कार्यक्षेत्र में विस्तार हो सकता है। मानसिक शांति तो रहेगी लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। आय में भी वृद्धि होगी।

मकर – अपनी भावनाओं में वश में रखें, आत्म संयत रहें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार में शांति रहेगी, वाहन

सुख में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ – मन में निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा, नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है । स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें । परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा।

मीन – मानसिक शांति तो रहेगी परंतु असंतोष भी रहेगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाईयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

क्यों इतना पूजनीय है बड़ा मंगल? जानिए इस पर्व से जुड़ी पौराणिक कथा

हिंदू धर्म में हर महीने का खास महत्व होता है। वैसे ही ज्येष्ठ महीने का अपना एक विशेष स्थान है। इस दौरान हनुमान जी की पूजा होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस महीने पड़ने वाले सभी मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल के नाम से जाना जाता है, जिसकी शुरुआत हो चुकी है। ऐसा कहा जाता है कि इस अवधि के दौरान राम जी के साथ बजरंगबली की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। वहीं, कुछ लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि आखिर यह अन्य मंगल से अलग क्यों हैं और इसे बड़ा मंगल क्यों कहा जाता है? तो आइए इसके पीछे की पौराणिक कथा जानते हैं - ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले मंगलवार को बड़ा मंगल क्यों कहा जाता है? पौराणिक कथाओं के अनुसार, ज्येष्ठ माह में मंगलवार के दिन प्रभु श्रीराम और हनुमान जी की पहली बार भेंट हुई थी। इसी वजह से ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले सभी मंगलवार को बड़ा मंगल के नाम से जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दौरान राम भक्त प्रसन्न मुद्रा में होते हैं और वे अपने भक्तों की सभी इच्छाओं को पूर्ण करते हैं। इसके अलावा एक अन्य कथा के अनुसार, जब महाभारत काल में महाबली भीम को अपने बल पर घमंड हो गया था, तो उनके घमंड को समाप्त करने के लिए वीर बजरंगबली ने बूढ़े वानर का रूप धारण किया था।

(कविता)

गर्मी का मौसम

गर्मी का मौसम आया है।
फूल बाग में मुरझाया है।।
धरा का सीना फटता जाए।
चमन का आंगन कुम्हलाया है।।
कहीं न मेघा बादल बरसा है।
बिन तरुवर के कहां वर्षा है।।
दिनकर नयन खोल बरसा है।
पंछी पानी को तरसा है।।
जेठ ने अपना रंग दिखाया है।
गर्मी का मौसम आया है।।
सुबह-सुबह ही तेज धूप है।
यह सूरज का प्रचंड रूप है।।
सत्य कठोर पर सत्य है।
हमने वृक्षों को कटवाया है।।
कुछ पंछी और जीव से यारी।
कुछ हाथों से फूलों
की किलकारी।।
यह छोटा सा उपचार बताया है।
गर्मी का मौसम आया है।।

विनोद शर्मा
वेणु

उन्नति और समृद्धि के साथ परम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति के लिए इन दो बातों का ज्ञान जरूरी

जीवन मे सर्वसुख, संतोष और समस्याओं के समाधान के लिए यह आवश्यक है कि मनुष्य इस नश्वर संसार मे रह कर भी ना रहे। संसार में मनुष्य के अस्तित्व को बनाए रखने का कार्य विज्ञान का है और संसार में रह कर भी संसार का न होना धर्म का विषय है। प्रसिद्ध शायर अकबर इलाहाबादी फरमाते हैं, 'दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं हूं, बाज़ार से गुज़रा हूं खरीददार नहीं हूं।' उन्नति और समृद्धि है अभ्युदय और परम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है निःश्रेयस - धर्म के दो पहिए है, एक है अभ्युदय और दूसरा है निःश्रेयस। अभ्युदय अर्थात भौतिक प्रगति, भौतिक उन्नयन और निःश्रेयस अर्थात् परम शांति, अंतिम शांति, निर्वाण मोक्ष या आत्मज्ञान। धर्मशास्त्रीय भाषा में अभ्युदय और निःश्रेयस की इस प्रकार व्याख्या की गई है।

यतोऽभ्युदय निःश्रेयस सिद्धिः स धर्मः

जो संसार में अभ्युदय की प्राप्ति का निर्देश करता है, जो दुःखों और पीड़ाओं के सम्पूर्ण निवारण का मार्ग दिखाता है, तथा तत्पश्चात् निःश्रेयस की प्राप्ति कराता है, वही धर्म है। पुरूषार्थ चतुष्टय में अर्थ, धर्म, काम पुरूषार्थ, इस त्रिवर्ग की सिद्धि का नाम अभ्युदय और मोक्ष का नाम निःश्रेयस है। 'नास्ति श्रेयान् यस्मात्। जिससे बढ़कर और कोई श्रेयान् हो, वो निःश्रेयस कहलाता है। जिस माध्यम से हमारा सर्वांगीण विकास हो और सभी प्रकार के दुःखों-कष्टों से मुक्ति मिले, जिससे भोग और मोक्ष, दोनों की सिद्धि हो, वही धर्म है, वैशेषिक सूत्र में ब्रह्माण्ड के निर्माण, अस्तित्व, धर्म, मोक्ष आदि की व्याख्या वैज्ञानिक परिवेष में की गई है। मनुष्य को अपना उद्धार स्वयं करना चाहिए। अभ्युदय और निःश्रेयस ये वे दो लक्ष्य हैं जिन्हें प्राप्त करने के लिए मनुष्य को अपने जीवन में प्रयत्नशील रहना चाहिए। जिस प्रकार अपने किनारों से संयमित एक बहती हुई नदी अपने अन्तिम गन्तव्य सागर तक पहुँच जाती है, उसी प्रकार अभ्युदय और निःश्रेयस के सूत्रों का पालन करते हुए मनुष्य जीवन के परम लक्ष्य की ओर अग्रसर होता है। यदि नदी के दोनों तरफ दो किनारे नहीं होंगे तो उसका जल इधर-उधर व्यर्थ हो जायेगा, इसी प्रकार अभ्युदय और निःश्रेयस के ज्ञान के बिना जीवन उथल-पुथल हो जाता है। धर्मशास्त्रों में मनुष्य को निर्देश दिया गया है कि कल्याणकारी मार्ग पर रहते हुए हमारे जीवन में अभ्युदय के साथ-साथ निःश्रेयस, दोनों होना चाहिए। धर्म मनुष्य को उसके सर्वांगीण विकास की ओर निर्देशित करने का माध्यम है।

बुद्धिमान खरगोश (कहानी)

एक घने जंगल में चतुर नाम का एक खरगोश रहता था। चतुर बहुत ही बुद्धिमान और चालाक था। उसके शरीर पर नरम और गहरे भूरे रंग की फर थी जो जंगल की मिट्टी में आसानी से घुलमिल जाती थी। चतुर ने अपनी बुद्धिमत्ता से पूरे जंगल में एक विशेष स्थान बना रखा था।

जंगल में एक भूखा शेर भी रहता था जो हमेशा खरगोशों को पकड़ कर अपनी भूख मिटाना चाहता था। लेकिन चतुर खरगोश उससे बचने के लिए हमेशा नई-नई युक्तियाँ निकालता रहता।

एक दिन शेर ने एक चाल चली और सभी खरगोशों को मिलने की जगह पर एक जाल बिछा दिया। चतुर जब अन्य खरगोशों के साथ उस स्थल पर पहुंचा तो उसने तुरंत जाल को भांप लिया और दौड़कर एक सुरक्षित स्थान पर छिप गया।

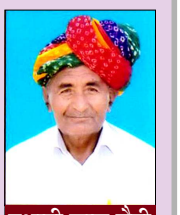

प्रभाती लाल सैनी

जब शेर वापस आया तो उसने देखा कि चतुर उसके जाल से बच गया है। शेर ने चतुर को आवाज देकर कहा, तुम्हारी बुद्धिमानी तो खूब है चतुर, लेकिन इस बार तुम बच नहीं सकोगे।

चतुर ने बहुत ही शांति से जवाब दिया, ओ महाराज, मैं जानता हूँ कि आपकी भूख बहुत तेज़ है। लेकिन हम खरगोशों को खाकर आपको क्या मिलेगा? हम तो बहुत ही छोटे और कमजोर हैं। मैं आपको कुछ ऐसा बताता हूँ जिससे आपका पेट भर जाएगा और आपको शक्ति भी मिलेगी।

शेर ने उत्सुकता में चतुर की बात मान ली। चतुर ने शेर को बताया कि जंगल के उस पार एक तालाब है जिसमें बहुत बड़ी और मोटी मछलियाँ हैं। शेर अगर उन्हें पकड़ ले तो उसका पेट भर जाएगा। शेर चतुर की बात में आ गया और तालाब की ओर चल दिया।

इस बीच चतुर ने अन्य खरगोशों को जाल से मुक्त किया और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। जंगल के अन्य जानवर चतुर की इस सूझबूझ को देखकर बहुत प्रसन्न हुए और उसे एक नई ऊँचाई पर ले गए।

शेर ने जब तालाब पर पहुंचकर देखा तो मछलियाँ वास्तव में बहुत बड़ी और मोटी थीं। उसने मछलियों का शिकार करके अपना पेट भरा और चतुर की सलाह की सराहना की।

उस दिन से शेर ने खरगोशों का शिकार करना बंद कर दिया और चतुर खरगोश अपने बुद्धिमानी के लिए पूरे जंगल में विख्यात हो गया।

इस कहानी से हमें सीखने को मिलता है कि बुद्धिमत्ता और चतुराई से किसी भी भयानक स्थिति से निकला जा सकता है। साथ ही, हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखते हुए संकट का सामना करना चाहिए।

किस कारण भगवान श्री कृष्ण का नाम पड़ा लड्डू गोपाल? पढ़ें इससे जुड़ी कथा

लड्डू गोपाल की विशेष पूजा करने का अधिक महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि सच्चे मन से लड्डू गोपाल की उपासना करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। साथ ही जातक की सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। भगवान श्री कृष्ण को कई नामों से पुकारा जाता है, जैसे कि कन्हैया, बाल गोपाल, गोपाला, मुरलीधर, नंदलाला, कान्हा और लड्डू गोपाल आदि। क्या आपको पता है कि आखिर भगवान श्री कृष्ण का नाम लड्डू गोपाल कैसे पड़ा? अगर नहीं पता, तो आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

इसलिए कहा जाता है लड्डू गोपाल पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन समय में भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त कुंभनदास थे। उनका एक पुत्र रघुनंदन था। कुंभनदास भगवान श्री कृष्ण की भक्ति में अधिक लीन रहते थे और वह प्रभु को छोड़कर कभी नहीं जाते थे। एक बार उन्हें वृंदावन से भागवत करने का न्योता आया। कुंभनदास ने न्योता को स्वीकार करने से पहले मना कर दिया, लेकिन लोगों के द्वारा जोर देने पर वे मान गए। कुंभनदास ने सोचा कि भगवान की सेवा की तैयारी करके जाएंगे और कथा करने के बाद लौट आएंगे। उन्होंने भगवान के भोग की सभी तैयारी कर अपने बेटे रघुनंदन को बता दिया

कि ठाकुर जी को भोग लगा देना। इसके बाद वह कथा करने के लिए चले गए। रघुनंदन ने भोग की थाली को भगवान श्री कृष्ण के सामने रखी और उनसे भोग स्वीकार करने का आग्रह किया। रघुनंदन के मन में ये छवि थी कि प्रभु अपने हाथों से भोजन करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बहुत देर तक इंतजार करने के बाद थाली में भोग रखा रहा, तो रघुनंदन ने पुकारा कि ठाकुर जी आओ और भोग लगाओ।

ठाकुर जी ने धारण किया बालक रूप उसकी इस पुकार के पश्चात ठाकुर जी ने बालक का रूप धारण कर भोजन करने के लिए विराजमान हुए। जब कुंभनदास भागवत करके घर आए, तो रघुनंदन से प्रसाद मांगा, तो उसने कहा कि ठाकुर जी ने सारा भोजन खा लिया।

कुंभनदास को लगा कि उसको भूख लगी होगी, तो उसने ही सारा भोजन ग्रहण कर लिया होगा, लेकिन अब ये रोजाना होने लगा। तब कुंभनदास को शक हुआ, तो उन्होंने एक दिन लड्डू बनाकर थाली में रखे और छुपकर देखने लगे कि रघुनंदन क्या करता है। रघुनंदन ने लड्डुओं से भरी थाली को ठाकुर जी के सामने रखी, तो उन्होंने बालक का रूप धारण कर लड्डू ग्रहण करने लगे। ये दृश्य कुंभनदास छुपकर देख रहा था।

प्रभु के चरणों में लेटकर की विनती जब ठाकुर जी बालक के रूप में प्रकट हुए, तो तभी कुंभनदास भागता हुआ आया और प्रभु के चरणों में लेटकर विनती करने लगे। उस समय ठाकुर जी के एक हाथ में लड्डू और दूसरे हाथ का लड्डू मुंह में जाने ही वाला था, लेकिन इतने में वे जड़ हो गए। इसके बाद से ही उनकी इसी रूप में पूजा की जाती है और लड्डू गोपाल कहा जाने लगा।

इग्नू ने की कृषि लागत प्रबंधन में डिप्लोमा कार्यक्रम की शुरूआत

जयपुर (संस्कार सृजन)। इग्नू और आईसीएमएआई ने किसानों की आय में सुधार के लिए कृषि लागत प्रबंधन में डिप्लोमा कार्यक्रम की जुलाई प्रवेश सत्र 2024 से शुरूआत की है। विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा एवं ऑनलाइन माध्यम से उच्च शिक्षा को उन लोगों के लिए सुगम बना रहा है जो अब तक शिक्षा की पहुंच से बाहर थे। डॉ. ममता भाटिया, वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय केन्द्र जयपुर ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर ने इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) के सहयोग से कृषि लागत प्रबंधन में डिप्लोमा कार्यक्रम की शुरूआत की है। कृषि उद्यमिता / कृषि स्टार्टअप, कृषि उत्पादन की लागत को कम करने और आय का एक बडा स्त्रोत के अवसर प्रदान करने के लिए इग्नू और आईसीएमएआई ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम को विकसित किया है। कार्यक्रम में कृषि लेखांकन और लागत, कृषि आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, भूमि का विवेकपूर्ण उपयोग, जल प्रबंधन और अन्य संबद्ध कृषि गतिविधियों शामिल है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कृषि लागतों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने और कृषि उत्पादकता बढाने के लिए शिक्षित करना है और कृषि उत्पादन, फसल की खेती, पशुधन पालन, वित्तीय योजना, आवंटन, विपणन और जोखिम शमन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित रणनीतिक निर्णय लेने सहित विभिन्न गतिविधियों में अंतर्दृष्टि प्रदान करना हैं। यह पाठ्यक्रम शहरी और ग्रामीण युवाओं, छोटे और मध्यम उद्यमियों, किसान संगठनों, एनजीओ के कार्यकर्ताओं और प्रशिक्षकों और प्रशिक्षकों और प्रगतिशील किसानों को लक्षित करता है। इस कार्यक्रम की पात्रता किसी भी विषय में 10+2 उत्तीर्ण रखी गयी है। पाठ्यक्रम की अवधि न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम तीन वर्ष निर्धारित की गयी है। ये पाठ्यक्रम कृषि प्रबंधन से लेकर संगठनात्मक पहलुओं और उनके नेतृत्व तक विभिन्न भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए कुशल व्यक्तियों को तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ignou.ac.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन https://ignouadmission.samarth.edu.in/ पर करना होगा। जुलाई 2024 प्रवेश सत्र में आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून 2024 रखी गयी है।

मीरा हॉस्पिटल की 46वीं वर्षगाँठ पर भव्य समारोह हुआ आयोजित

जयपुर (संस्कार सृजन)। मीरा हॉस्पिटल के 46 वर्ष पूर्ण हो जाने के उपलक्ष में एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि 3 जून 1978 को मीरा नर्सिंग होम, इंद्रा कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर की स्थापना डॉ. मीरा पाटोदिया के कर कमलों से हुई थी। उसके पश्चात सन 1990 में एक भव्य आधुनिक भवन का निर्माण कराया गया और मीरा नर्सिंग होम का नाम मीरा अस्पताल रखा गया। डॉक्टर मीरा को प्रेम, करुणा और सेवा भाव से मरीजों का दुःख दूर करना बहुत अच्छा लगता था। उन्होंने पहले सन 1974 से 1977 तक रेड क्रॉस सोसाइटी, जयपुर के सांगानेरी गेट स्थित अस्पताल में अपनी मेडिकल सेवाएं दी थी। वह सातों दिन 24 घंटे मरीजों की सेवा में लगी रहती थी। कभी कोई मरीज उनके पास आकर निराश होकर नहीं गया। हजारों निःसंतान महिलाओं का अच्छी तरह से इलाज करके उनकी गोद हरी-भरी कर दी। दूर दूर से महिलाएं उनसे डिलीवरी कराने आती थी। 45 वर्षों में एक लाख से अधिक डिलीवरी कराई है। अपने जीवन काल में हजारों लाखों मरीजों का इलाज किया और उनको स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया। नैतिक शिक्षाविद, आध्यात्मिक चिंतक एवं प्रेरक आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने बताया कि आज से 46 वर्ष पूर्व उद्घाटन के दिन डॉ. मीरा ने सभी आने वाले अतिथियों का स्वागत समोसे और रसगुल्ले से किया था। इसलिए आज भी मीरा हॉस्पिटल में आने वाले सभी मरीज और अतिथियों का स्वागत समोसे और रसगुल्ले से ही किया गया। डॉ.मीरा जी के जीवन संघर्ष पर आधारित फिल्म अमर प्रेम की अमर कहानी का प्रदर्शन भी मीरा हॉस्पिटल के आउटडोर में किया गया ।

रेडियो 90 ऋषिकेश ने किया वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी का सम्मान

ऋषिकेश (संस्कार सृजन)। पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन व फूलो के गुलदस्ते के बजाय पौधे उपहार भेंट करने, जन जन को पर्यावरण के प्रति जागरूक व प्रेरित करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे राइका मरोड़ा, सकलाना में शिक्षक पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी व किरन सोनी को भारतीय ग्रामोत्थान संस्था के पहल पर रेडियो 90.0 एफएम ऋषिकेश ने भेंटवार्ता कार्यक्रम के दौरान स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। जानकारी ले ले आपको बता दें कि गीता चंदोला व अनिल चंदोला द्वारा युवाओं को रोजगार के लिए भारतीय ग्रामोत्थान संस्था के माध्यम से भेंमल, जूट के रेशे से कई वस्तुओं का निर्माण किया जा रहा है जिससे युवाओं को रोजगार मिल सके। आरजे सोनिका लेखवार ने वृक्षमित्र डॉ. सोनी से बदलते वर्तमान मौसम के हालात, वनों के कटान, वनाग्नि, पानी के जलस्रोतों पर चर्चा की। डॉ. सोनी ने कहा कि बदलते मौसम के स्वरूप व जलवायु परिवर्तन का दोषी मनुष्य है।

जिसने अपने भोगवादी प्रवृति व विकास की होड़ में ऐसी स्थितियां उत्पन्न कर दी हैं जिसका प्रभाव प्राणी जगत पर पड़ रहा है। समय रहते हमने इन्हें नहीं रोका तो आनेवाला समय बहुत कष्टदायक होगा। जिसका खामियाजा पूरे पृथ्वी के प्राणी जगत को भुकतना पड़ेगा। कार्यक्रम में रक्षा उपाध्याय, करीना थलवाल, अंकित रावत, प्रशांत गुप्ता आदि उपस्थित रहे ।

भारती शिक्षण संस्था के टॉपर्स का हुआ सम्मान, कार रैली पर ग्रामीणों ने बरसाए फूल

चौमूं (संस्कार सृजन)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान ने अपनी बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट जारी कर दिया है। चौमूं तहसील के ग्राम विशनपुरा चारणवास स्थित भारती शिक्षण संस्था सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। 12वीं विज्ञान वर्ग में मानशी शर्मा पुत्री जगदीश प्रसाद शर्मा ने 94 प्रतिशत अंक, 10वीं में सिमरन सेरावत पुत्री साधुराम शेरावत ने 95.83 प्रतिशत अंक, दिव्यांशी मारवाल पुत्री विनोद मारवाल ने 95.50 प्रतिशत अंक और रुचिका कुमावत पुत्री चौगान मल कुमावत ने 95.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नाम रोशन किया है।

इससे पूर्व सभी अतिथियों ने माता सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह के मुख्य अतिथि अमरपुरा ग्राम पंचायत सरपंच गजानंद यादव ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर लगातार ऐसा शानदार परिणाम देने वाली भारती शिक्षण संस्था तारीफ के काबिल है।

यहाँ चमक-धमक से कोसों दूर सिर्फ परिणाम पर अधिक फोकस किया जाता है। स्कूल निदेशक रामेश्वर प्रसाद शर्मा ने कहा की हमारा प्रयास रहता है कि बच्चों को अच्छी और क्वालिटी वाली शिक्षा मिले ताकि आगे जाकर प्रतियोगी परीक्षाओं में अपना परचम लहरा सके। इस स्कूल से निकले छात्र डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। सभी टॉपर स्टूडेंट को माला, साफा और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में आए हुए अभिभावकों ने भी स्कूल के उत्कृष्ट परिणाम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सम्मान समारोह के बाद स्कूल से टॉपर्स स्टूडेंट की कार रैली भी निकाली गई जिसमें सैकड़ो ग्रामवासी शामिल हुए । ग्रामीणों ने जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।इस दौरान स्कूल सह निदेशक मधुसूदन शर्मा, राजेश शर्मा, आदित्य शर्मा, प्रधानाचार्य सुनीता शर्मा, अभिवाक बाबू लाल मारवाल,विनोद मारवाल,लक्ष्मी नारायण शेरावत, साधुराम शेरावत,हरिनारायण जोशी, अजय खंडेलवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी भी और कर्तव्य भी : राज्यवर्धन

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने गुरुवार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पौधारोपण किया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग बनकर सभी से अपना अमूल्य योगदान देने की विनम्र अपील की। राठौड़ ने कहा, मनुष्य का प्रकृति से अटूट संबंध है। प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी भी है और कर्तव्य भी है। मोदी सरकार ने इस दिशा में अनेकों प्रयासों से समाज में जागृति लाने का अभूतपूर्व कार्य किया है। जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए जो वैश्विक प्रयास चल रहे हैं, उनमें भारत एक आशा की किरण बनकर के उभरा है। राठौड़ ने कहा, जलवायु की रक्षा के लिए, पर्यावरण की रक्षा के लिए हमारे प्रयासों का संगठित होना बहुत ज़रूरी है। देश का एक-एक नागरिक जब जल, वायु और जमीन के संतुलन को साधने के लिए एकजुट होकर प्रयास करेगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पर्यावरण दे पाएंगे।

धूमधाम से मनाया पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी का जन्मदिन

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं के पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी का 72 वाँ जन्मदिवस कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा धूमधाम से मनाया गया । पूर्व विधायक सैनी के जन्मदिन पर उनके निवास स्थान अशोक विहार में सुबह से ही शुभकामनाएं देने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं व आमजन का ताँता लगा रहा । कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व विधायक सैनी को माला- साफा पहनाकर एवं गुलदस्ता भेंटकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए जन्मदिन की बधाई दी। सैनी समाज तहसील चौमूं के अध्यक्ष व पदाधिकारियों द्वारा पूर्व विधायक सैनी का केक कटवाकर एवं भगवान राम की फोटो भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। अलग-अलग गांव से आए हुए कार्यकर्ताओं ने सैनी को उनके जन्म दिवस पर भेंटकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी । इस दौरान लोगों ने उनके आत्मबल एवं जीवन संघर्ष पर चर्चा की। उनका राजनीतिक जीवन सदैव संघर्षों में ही निखरता रहा और विपरीत परिस्थितियों में भी कभी धैर्य नहीं छोड़ा। लोगों ने कहा कि आज भी पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी के प्रति जनमानस में विश्वास पहले ही जैसा है। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों, पार्षदगणों, पंचायत समिति सदस्यों, विभिन्न सरपंचों, विभिन्न संगठनों, विभिन्न समाजों द्वारा पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी को साफा एवं माला पहनाकर जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएं दी गई।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी